ANKIT FADIA'S SEMINAR

AT

INDORE INDIRA SCHOOL OF CAREER STUDIES

ON 09.02.08

RELIANCE World
Anil Dhirubhai Ambani Group

Reliance World
Anil Dhirubhai Ambani Group

Indira College advertized in City Bhaskar on 8.02.09

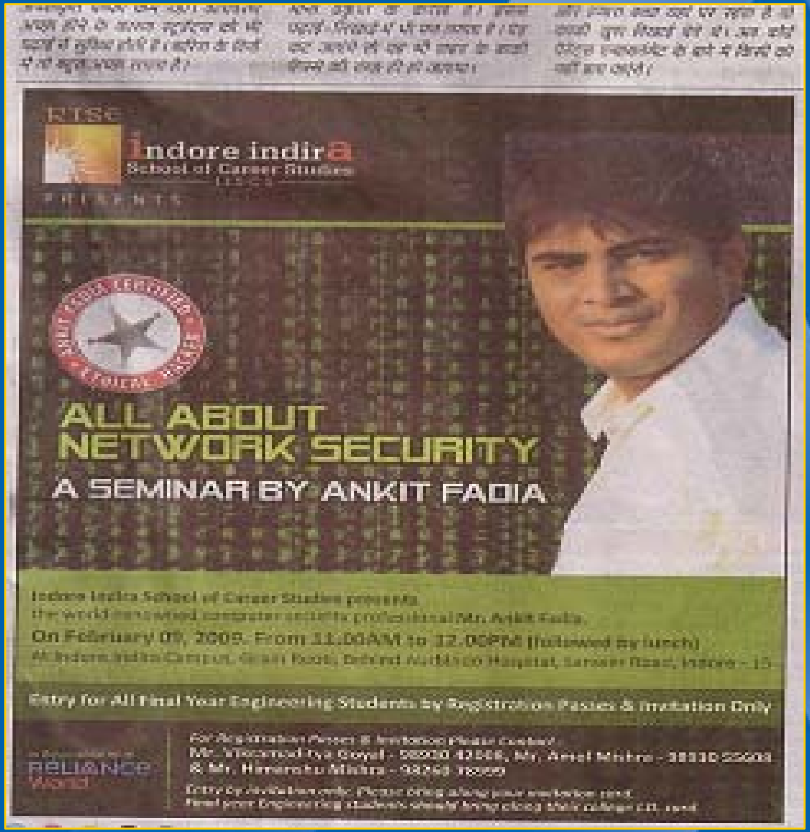

800 students participated from Indira College

Reliance World
Anil Dhirubhai Ambani Group

500 students participated at Renissance College of Commerce and Management

Press Coverage at Indore on 10.02.09

RELIANCE World
Anil Dhirubhai Ambani Group

हो सकता है घर का फोन फ्री

Dainik Bhaskar

इंदौर इंदिरा कॉलेज और रेनेसां में अंकित ने कम्प्यूटर अवेयरनेस के साथ बताए हैकिंग से बचने के तरीके

अपरिचितों से न करें चैटिंग

Patrika

सुरक्षित नहीं है नेट सर्फिंग

कम्प्यूटर को जानने की जरूरत है

इंदौर आए अंकित फादिया ने कहा साइबर लॉ नहीं, आईटी की समझ है इस दौर की जरूरत

Nai Duniya

इंटरनेट हैकिंग पर सेमिनार

Prabhat Kiran

SEMINAR
AT
TECHNOCRATS INSTITUTE OF TECHNOLOGY
ON
10.02.09

Reliance World
Anil Dhirubhai Ambani Group

RELIANCE World
Anil Dhirubhai Ambani Group

1500 Students participated from different colleges

FEW SNAP SHOTS

Press coverage in Bhopal Newspapers

बन जाएं कम्प्यूटर सिक्योरिटी एक्सपर्ट

आज कम्प्यूटर सिक्योरिटी एक्सपर्ट की देश में खासी मांग है, आप भी सिक्योरिटी एक्सपर्ट बन सकते हैं इसके लिए मैंने स्वयं एक कोर्स तैयार किया है, जिसे आप भोपाल से ही वेब वर्ल्ड के जरिए कर सकते हैं। यह बात टीआईटी में इथिकल हैकिंग पर आयोजित सेमीनार में कम्प्यूटर सिक्योरिटी गुरु अंकित फाडिया ने कही। सेमीनार में टीआईटी के अलावा अन्य कालेजों के डेढ़ हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

जागरण सिटी। क्या किसी ब्लैंक मैसेज में भी कोई मैसेज छिपा हो सकता है? क्या जिस सोच और समझ के साथ आपने पासवर्ड बनाया है; वह पूर्णतः सुरक्षित है? हैकर्स और क्रैकर्स में क्या अंतर है? हैकिंग के संबंध में कुछ ऐसे ही रोचक तथ्य और हैकिंग के खतरों से अपने आप को सुरक्षित रखने की जानकारी मंगलवार को टीआईटी के स्टूडेंट्स को जानने को मिली। अंकित फाडिया ने न केवल हैकिंग के संबंध में उनके सवालों के जवाब दिए, बल्कि ऐसी बातें भी बताईं, जिसके जरिए कितनी आसानी से किसी वेबसाइट या ई-मेल को हैक किया जा सकता है। अपने मेल एड्रेस के कोड को एक मिनट में टूटते देख स्टूडेंट्स ने दांतों तले उंगली दबा ली। उन्होंने बताया कि जब तक स्टूडेंट्स हैकिंग से सुरक्षा के लिए प्रॉपर सिस्टम का इस्तेमाल नहीं करेंगे, तब तक वे हैकिंग से सुरक्षित नहीं हैं। एक उदाहरण के दौरान उन्होंने यह भी बताया कि किसी फोटो में भी किस प्रकार कोई संदेश छिपा हो सकता है।

करें कोर्स बनें कम्प्यूटर सिक्योरिटी एक्सपर्ट : सेमीनार के दौरान उन्होंने छात्रों को बताया कि वे भी चाहें तो, कम्प्यूटर सिक्योरिटी एक्सपर्ट बन सकते हैं। जिस प्रकार से हैकिंग बढ़ती जा रही है, देश में ऐसे लोगों की खासी मांग बनी हुई है और इसके जरिए वे अच्छा पैकेज प्राप्त कर सकते हैं। 'अंकित फाडिया सर्टिफाइड इथिकल हैकर्स' एक सर्टिफाइड प्रोग्राम है, जो 26 फरवरी से प्रारंभ हो रहा है। रिलायंस वर्ल्ड के माध्यम से प्रारंभ यह कोर्स न्यूमार्केट और विट्टन मार्केट स्थित वेब वर्ल्ड से किए जा सकते हैं।

टीआईटी में सेमीनार

Dainik Bhaskar

अवर गेस्ट

अंकित फादिया
कम्प्यूटर सिक्योरिटी गुरु

अब जूझना होगा मोबाइल हैकिंग से

पवन श्रीवास्तव

कम्प्यूटर पर बढ़ते साइबर क्राइम अब मोबाइल तक पहुंच चुके हैं। कम्प्यूटर हैकिंग का खतरा तो बना ही हुआ है, लोगों को अब जिस समस्या से अधिक सामना करना पड़ेगा वह है मोबाइल हैकिंग का। यह कहना है कम्प्यूटर सिक्योरिटी गुरु और साइबर एंटी टेरेरिज्म एक्सपर्ट अंकित फादिया का। इंडो-अमेरिकन फ्रेंडशिप यंग एचीवर अवार्ड, आईटी लीडर अवार्ड, हॉल ऑफ फेम अवार्ड और लिम्का बुक ऑफ रिकार्डस में अपना नाम दर्ज करा चुके तथा कम्प्यूटर सिक्यूरिटी पर 16 किताब लिख चुके अंकित फादिया मंगलवार को भोपाल में टीआईटी कालेज में एक कार्यक्रम में भाग लेने आए थे। जागरण सिटी को दिए उन्होंने कुछ खास पल...

मोबाइल हैकिंग का खतरा : टेक्नोलॉजी ने लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, लेकिन इन सुविधाओं ने उन्हें खतरे में भी डाल दिया है। अभी तक केवल ई-मेल और वेबसाइट हैकिंग की समस्या थी, लेकिन अब सबसे गंभीर खतरा मोबाइल हैकिंग का बना हुआ है। मोबाइल में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से इनके हैकिंग किए जाने की संभावना बढ़ गई है और मोबाइल में रखे गए उनके डाटा भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं।

एंटी वायरस सॉफ्टवेयर लॉक के समान : जिस तरह से घर को सुरक्षित रखने के लिए ताला लगा दिया जाता है, वैसे ही कम्प्यूटर को वायरस से सुरक्षा प्रदान करने के लिए एंटी वायरस सॉफ्टवेयर है, लेकिन यदि यह सोचा जाए कि एंटी वायरस सॉफ्टवेयर इंस्टाल करके आप सुरक्षित हैं, तो यह सही नहीं है। अपने कम्प्यूटर को सुरक्षित रखने के लिए आ रही नई-नई टेक्नोलॉजी से अपडेट करते रहें।

वाईफाई से खतरा नहीं : वाईफाई सिस्टम से तब तक कोई खतरा नहीं है, जब तक आपने अपने कम्प्यूटर को हैकिंग से सुरक्षित कर रखा है। गुजरात में हुए आतंकी हमले में वाईफाई का ही इस्तेमाल किया गया था और दूसरे के ई-मेल से हमले के मैसेज भेजे गए। वाईफाई सिस्टम को इस्तेमाल करने से पूर्व सुरक्षा के प्रति पूर्णतः जागरूक रहें।

आर्कुट और हाई फाइव : सोशल नेटवर्किंग में जहां आर्कुट का इस्तेमाल सबसे ज्यादा हो रहा है, वहीं फ्रेंड सर्किल के लिए हाई फाइव उपयोग किया जा रहा है। इनमें रजिस्टर्ड होने के बाद इस बात का विशेष ध्यान रखें कि ऐसी किसी जानकारी को इसमें न डालें, जो बाद में आपके लिए खतरा बन जाए। अधिकांश लोग अपने पर्सनल नंबर और फोटो इसमें डालते हैं। इन्हें कोई भी देख सकता है और इसका गलत इस्तेमाल कर सकता है।

सरकारी प्रयास नाकाफी : साइबर क्राइम से निपटने के लिए सरकार जो प्रयास कर रही है, वह नाकाफी है। पुलिस को टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी ही नहीं है। नई टेक्नोलॉजी से उनका वास्ता ही नहीं है। किसी भी कोर्स में साइबर क्राइम जैसा विषय ही नहीं है, जबकि इस क्षेत्र में बढ़ती घटनाओं को देखते हुए ऐसे विषय को अनिवार्य किया जाना चाहिए, फिर इसके लिए एक अलग से कोर्स प्रारंभ करना जाना चाहिए।

पासवर्ड में हो कॉम्बीनेशन : सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल और पासवर्ड में कॉम्बीनेशन के जरिए ई-मेल या वेबसाइट को हैक होने से बचाया जा सकता है। एंटी वायरस, एंटी स्पाइवेयर और फायरवॉल जैसे अलार्म के अलावा पासवर्ड ऐसा रखें जिसमें अल्फाबेट्स, नंबर और सिम्बल्स का कॉम्बीनेशन हो।

pavan_1204@yahoo.com

Dainik Jagran

Reliance World
Anil Dhirubhai Ambani Group

Thank you